UNIT-I

Introduction, Meaning, Definitions and Development of Human Geography

- Introduction
- Meaning
- Definitions
- Aim
- Development of Human Geography

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor (Geography)
Govt. College Sangrah

INTRODUCTION

मानव भूगोल क्या है

भूगोल का अर्थ —

भूगोल दो शब्दों से मिलकर बना है **भू + गोल** जहां **भू** अर्थ है **पृथ्वी**, और **गोल** का अर्थ है **गोलाकार स्वरूप**। अंग्रेजी में इसे **Geography** कहते हैं। जो कि दो यूनानी शब्दों **Geo + Graphy** से मिलकर बना है। यहां **Geo** का अर्थ है **पृथ्वी**, और **Graphy** का अर्थ है **वर्णन करना**, अर्थात वह विषय जो पृथ्वी का संपूर्ण वर्णन करे वह **भूगोल** है।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

भूगोल की परिभाषा—

स्ट्रांबो के अनुसार- "भूगोल हमको स्थल एवं महासागरों में बसने वाले जीवो के बारे में ज्ञान कराने के साथ-साथ विभिन्न लक्षणों वाली पृथ्वी की विशेषताओं को समझाता है।"

टॉलेनी के अनुसार— "भूगोल वह आभामय विज्ञान है जो कि पृथ्वी की झलक स्वर्ग में देखता है।"

हॉंट शॉन के अनुसार— "भूगोल वह विज्ञान है जो कि एक स्थान से दूसरे स्थान तक परिवर्तनशील स्वरूपों का वर्णन करता है और उनकी व्याख्या मानव के संसार के रूप में करता है।"

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार-" भूगोल वह विज्ञान है जो पृथ्वी के धरातल व उसके आकार विभिन्न भौतिक आकृतियों, राजनीति खंडों, जलवायु तथा जनसंख्या आदि का वर्णन करता है।"

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

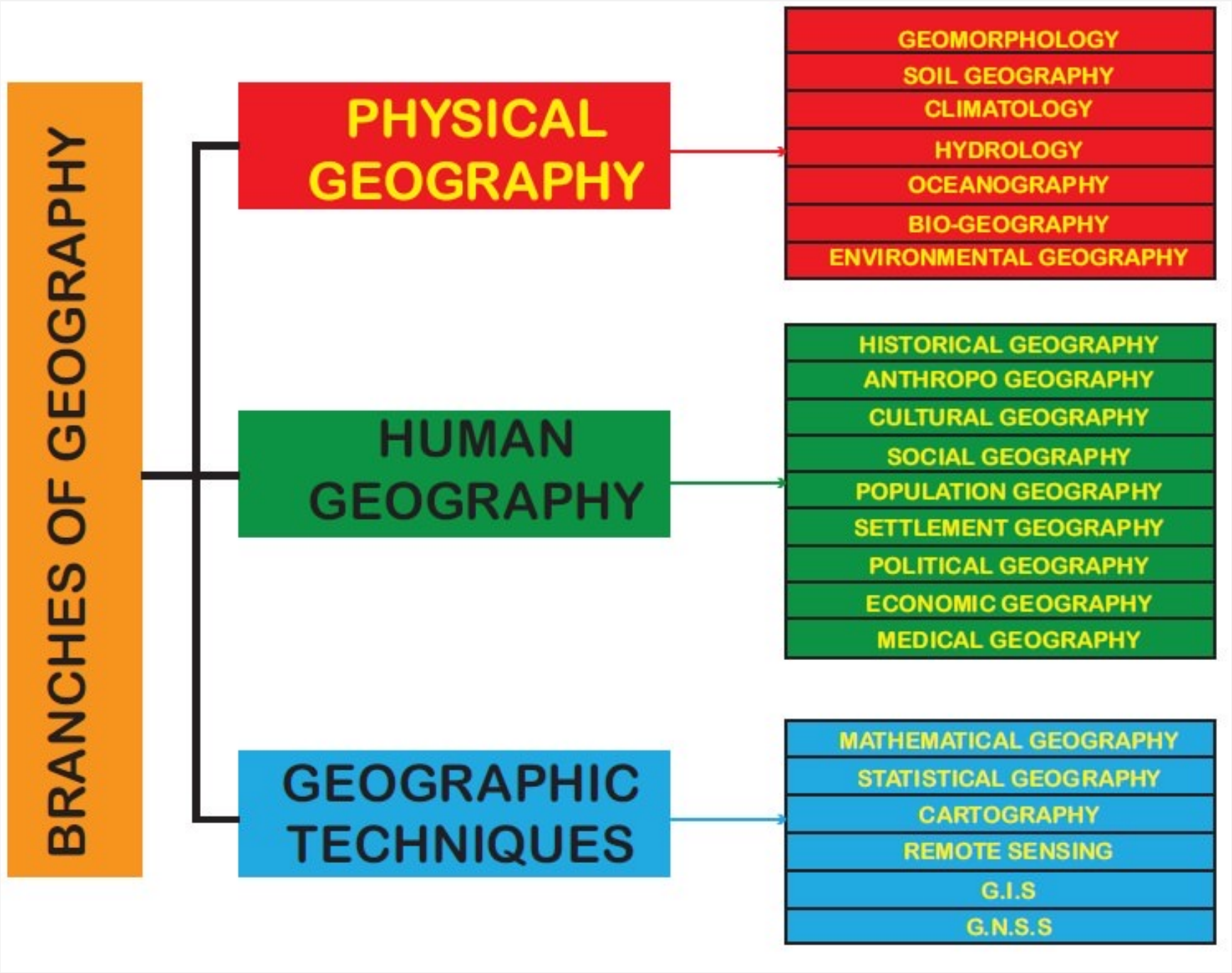
BRANCHES OF GEOGRAPHY
PHYSICAL GEOGRAPHY
GEOMORPHOLOGY
SOIL GEOGRAPHY
CLIMATOLOGY
HYDROLOGY
OCEANOGRAPHY
BIO-GEOGRAPHY
ENVIRONMENTAL GEOGRAPHY
HUMAN GEOGRAPHY
HISTORICAL GEOGRAPHY
ANTHROPO GEOGRAPHY
CULTURAL GEOGRAPHY
SOCIAL GEOGRAPHY
POPULATION GEOGRAPHY
SETTLEMENT GEOGRAPHY
POLITICAL GEOGRAPHY
ECONOMIC GEOGRAPHY
MEDICAL GEOGRAPHY
GEOGRAPHIC TECHNIQUES
MATHEMATICAL GEOGRAPHY
STATISTICAL GEOGRAPHY
CARTOGRAPHY
REMOTE SENSING
G.I.S
G.N.S.S

मानव भूगोल के अध्ययन का केंद्र बिंदु मानव है। अर्थात मानव भूगोल के अंतर्गत मानव जातियां, जनजातियों का वितरण घनत्व तथा घनत्व को प्रभावित करने वाले तथ्य लिंग, अनुपात, आयु ,वर्ग स्वास्थ्य तथा कार्यक्षमता आदि का अध्ययन किया जाता है।

मानवीय प्रतिक्रियाओं के अंतर्गत मानव की आवश्यकताएं तकनीकी उन्नति का अध्ययन सम्मिलित किया जाता है। इस प्रकार मानव भूगोल विभिन्न प्रदेशों में निवास करने वाले जनसंख्या समूहों एवं उनकी प्राकृतिक परिस्थितियों के पारस्परिक संबंधों की तारीख की विवेचना की जाती है।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव भूगोल से अभिप्राय

मानव भूगोल - भूगोल की एक प्रमुख शाखा है जिसके अध्ययन का एक पक्ष मानव तथा उसके क्रियाकलाप तथा दूसरा पक्ष उसके प्राकृतिक वातावरण की शक्तियां एवं उनका प्रभाव है।

मानवीय क्रियाएं उनका प्राकृतिक वातावरण की दशाएं परिवर्तनशील है अतः इनका परसपरिक संबंध भी परिवर्तनशील हो जाता है। मानव तथा प्राकृतिक वातावरण की इस परसपरिक परिवर्तनशील संबंधों का विस्तृत अध्ययन ही मानव भूगोल है।

ATLANTIC
OCEAN
Brazil
ATLANTIC
OCEAN
INDIAN
OCEAN

- **मानव भूगोल**, भूगोल की प्रमुख शाखा हैं जिसके अन्तर्गत मानव की उत्पत्ति से लेकर वर्तमान समय तक उसके पर्यावरण के साथ सम्बन्धों का अध्ययन किया जाता हैं।
- मानव भूगोल की एक अत्यन्त लोकप्रिय और बहु अनुमोदित परिभाषा है, मानव एवं उसका प्राकृतिक पर्यावरण के साथ समायोजन का अध्ययन।
- मानव भूगोल में पृथ्वी तल पर मानवीय तथ्यों के स्थानिक वितरणों का अर्थात् विभिन्न प्रदेशों के मानव-वर्गों द्वारा किये गये वातावरण समायोजनों और स्थानिक संगठनों का अध्ययन किया जाता है।
- मानव भूगोल में मानव-वर्गो और उनके वातावरणों की शक्तियों, प्रभावों तथा प्रतिक्रियाओं के पारस्परिक कार्यात्मक सम्वन्धों का अध्ययन, प्रादेशिक आधार पर किया जाता है।मानव भूगोल का महत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। यूरोपीय देशों, पूर्ववती सोवियत संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका तथा भारत के विश्वविद्यालयों में इसके अध्ययन में अधिकाधिक रूचि ली जा रही है।
- पिछले लगभग 40 वर्षों में मानव भूगोल के अध्ययन क्षेत्र का वैज्ञानिक विकास हुआ है और संसार के विभिन्न देशों में वहाँ की जनसंख्या की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक उन्नति के लिये संसाधन-योजना में इसके ज्ञान का प्रयोग किया जा रहा है।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

The Branches of Geography

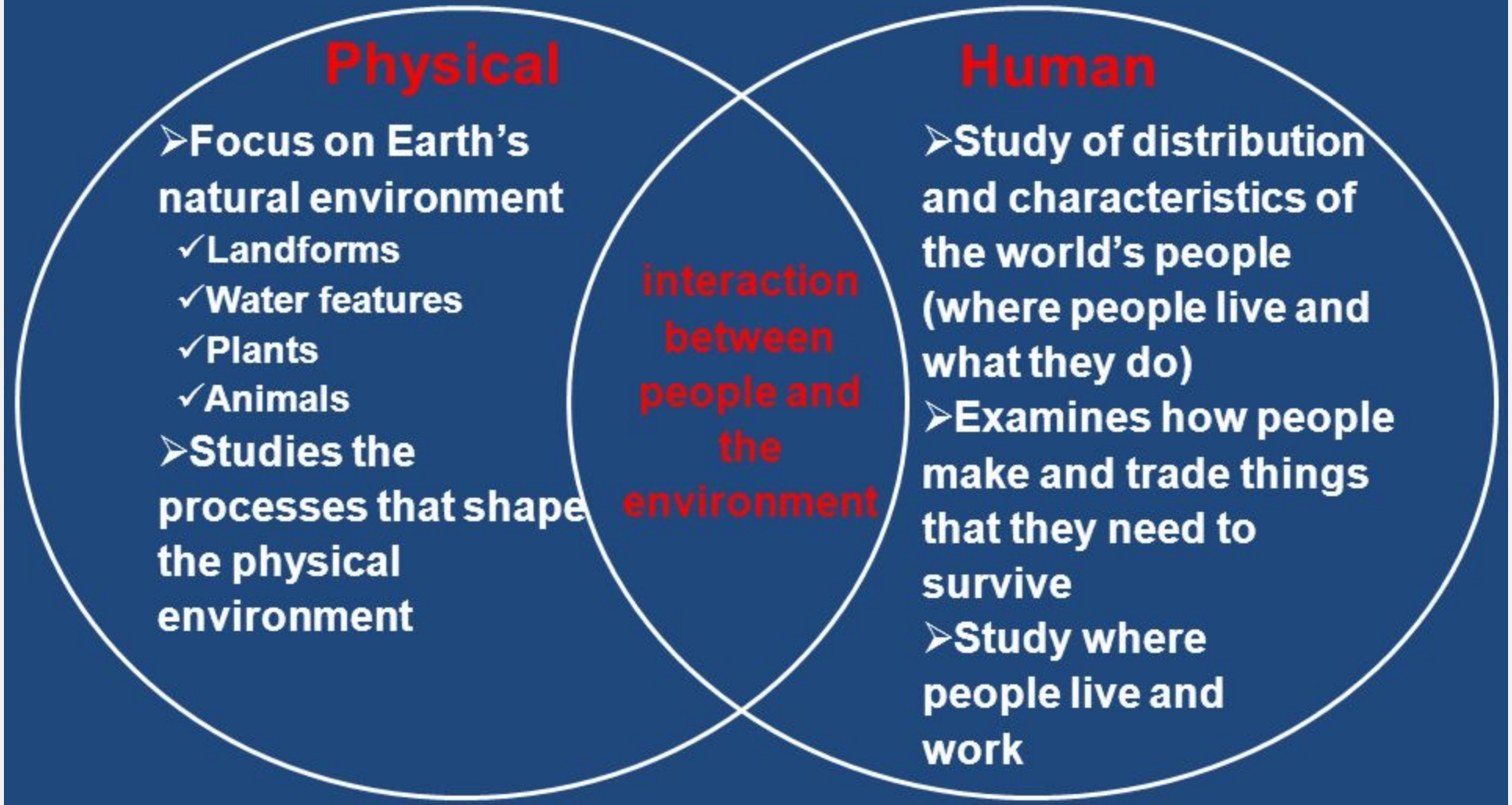

मानव भूगोल का अर्थ – मानव भूगोल, भूगोल की एक प्रमुख शाखा है, जिसमें मानव को केन्द्र मानकर पार्थिव एवं प्राकृतिक वातावरण का अध्ययन किया जाता है। वस्तुतः मानव का प्राकृतिक वातावरण से घनिष्ठ सम्बन्ध होता है।

एक ओर मानव के कार्यकलाप और आचार-विचार प्राकृतिक वातावरण से प्रभावित होते हैं तो दूसरी ओर मानव भी अपने कार्यकलापों द्वारा प्राकृतिक वातावरण को प्रभावित करता है और आवश्यकतानुसार उसमें परिमार्जन एवं परिवर्तन करता है। इसी आधार पर **फेब्बर** ने कहा है कि, **"मानव वातावरण की उपज मात्र नहीं है, वरन् वह एक भौगोलिक अभिकर्ता है।" (Man is a geography agent and not a beast)**

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

उन्नीसवीं शताब्दी के अन्तिम चरण में मानव भूगोल एक स्वतन्त्र विषय के रूप में अस्तित्व में आया। **सन् 1882 में प्रसिद्ध जर्मन विद्वान फ्रेडरिक रेटजेल (Friedrich Ratzel)** जिन्हें वर्तमान मानव भूगोल का जनक कहा जाता है, ने अपनी पुस्तक 'एन्थ्रोपोज्योग्राफिक (Anthropogeographic) तीन खण्डों में प्रकाशित कर मानव भूगोल का शुभारम्भ किया। रेटजेल ने मानवीय भूदृश्यों को मानव भूगोल का विषय माना है। उनके अनुसार-

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव भूगोल की परिभाषा:-

फ्रेडरिक रैटजेल के अनुसार–"मानव भूगोल के दृश्य सर्वत्र वातावरण से सम्बद्ध हैं, जो भौतिक दशाओं का योग होता

रेटजेल की शिष्या अमरीकी भूगोलवेत्ता **कुमारी ई.सी.सेम्पल (Ellen C. Sample)** के मतानुसार प्राकृतिक वातावरण तथा मानव दोनों ही क्रियाशील हैं, जिनमें प्रतिक्षण परिवर्तन होता रहता है। इन्होंने मानव भूगोल की निम्नलिखित लोकप्रिय परिभाषा दी-

कुमारी ई सी सैंपुल के अनुसार- "क्रियाशील मानव एवं गतिशील पृथ्वी के परिवर्तनशील सम्बन्धों का अध्ययन ही मानव भूगोल है।"

फ्रान्सीसी मानव भूगोलवेत्ता **विडाल डी ला ब्लॅ श (Vidal De La Blache)** ने मानव भूगोल को भौगोलिक विज्ञान के सम्मानित तने का अभिनव अंकुर माना है और एक विज्ञान के स्तर पर रखा। इनके मतानुसार मानव जाति एवं मानव समाज एक प्राकृतिक वातावरण के अनुसार ही विकसित होते हैं और मानव भूगोल इसके अध्ययन का मार्ग प्रशस्त करता है।

ब्लॅ श–"मानव भूगोल पृथ्वी एवं मानव के पारस्परिक सम्बन्धों को एक नयी संकल्पना प्रदान करता है। वह पृथ्वी को नियन्त्रित करने वाले भौतिक नियमों तथा पृथ्वी पर निवास करने वाले जीवों के पारस्परिक अन्तर्सम्बन्धों का संश्लेषणात्मक ज्ञान होता है।"

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

ब्ल ाश के शिष्य फ्रान्सीसी विद्वान **जीन ब्रूशं** ने बताया कि भौगोलिक तथ्य जिस पर मानव का अधिकार है अथवा जिससे मानव प्रभावित है, मानव भूगोल के अध्ययन का विषय है।

जीन ब्रूशं-"मानव भूगोल उन सभी तथ्यों कर अध्ययन है, जो मानव के क्रियाकलापों से प्रभावित है और जो हमारे ग्रह के धरातल पर घटित होने वाली घटनाओं में से छाँटकर एक विशेष श्रेणी रखे जा सकते हैं।"

फ्रान्सीसी विद्वान डीमांजियाँ ने फ्रान्स के ग्रामीण जीवन का अध्ययन किया और इस निर्ष्कष पर पहुँचे कि प्राकृतिक वातावरण प्रगाढ़ प्रभाव मानव एवं बसाव पर पड़ता है और मानव भी वातावरण को प्रभावित करता है।

डीमांजियाँ-"मानव भूगोल मानव समुदायों और समाजों के भौतिक वातावरण से सम्बन्ध का अध्ययन है। डीमांजियाँ अमरीकी मानव भूगोलवेत्ता एल्सवर्थ हंटिंग्टन ने लिखा है कि पृथ्वी पर अनेक प्रकार के लोग निवास करते हैं, जो एक-दूसरे से शारीरिक गठन, खान-पान, वेष भाषा रहन-सहन, आचार-विचार तथा आर्दश एवं सिद्धान्तों में भिन्न होते हैं। शारीरिक गठन एवं रंग-रूप का अन्तर जैविक होता है, किन्तु जनसंख्या के घनत्व, सभ्यता एवं मानसिक क्षमता पर प्राकृतिक वातावरण का परोक्ष प्रभाव पड़ता है।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

हंटिम्डन–"मानव भूगोल को प्राकृतिक वातावरण तथा मानवीय कार्यकलापों एवं गुणों के सम्बन्ध के स्वरूप और वितरण के अध्ययन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।"

अमरीकी भूगोलवेत्ता ह्वाइट एवं रेनर ने मानव भूगोल को सामाजिक विज्ञान बताया, जिसमें पृथ्वी के संदर्भ में मानव समाज का अध्ययन होता है।

ह्वाइट एवं रेनर–"मानव भूगोल अनुपम क्षेत्र एवं संसाधनों की व्यूह व्यवस्था का अध्ययन है।"

डेविस–"मानव भूगोल मुख्यतः, प्राकृतिक वातावरण और मानव कार्य-कलाप दोनों ही के पारस्परिक सम्बन्ध और उस सम्बन्ध के परिणाम के पार्थिव स्वरूप, की खोज है अथवा प्राकृतिक वातावरण के नियन्त्रण को उनके आधार के रूप में सिद्ध करने का प्रयास है।"

"मानव भूगोल मानव तथा उसके र्कायो को समाविष्ट करता है।"-डिकेन्स एवं पिट्स

"मानव भूगोल वह विज्ञज्ञन है, जो व्यापक र्अथ में मानव समूहों द्वारा प्राकृतिक वातावरण के समायोजन की प्रक्रिया का अध्ययन प्रस्तुत करता है।"-कैमिले वेलासे

"मानव भूगोल का सर्वोपरि र्काय उस मनुष्य का अध्ययन है, जो सक्रिय एवं जीवन तत्व के रूप में अपने अस्तित्व की दशाओं को सुनिश्चित करता है और प्राकृतिक वातावरण से उपलब्ध उद्दीपनों (Stimuli) से प्रतिक्रियात्मक सम्बन्ध जोड़ता है।" –प्रो. मैक्स मोरे

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

CULTURE
ETHNICITY
PEOPLE
NATION
BELIEF
TRADITION

- ✓ उपर्युक्त परिभाषाओं के अध्ययन से मानव भूगोल के सम्बन्ध में स्पष्ट रूप से एक ही विचारधारा प्राप्त होती है।

- ✓ मानव भूगोल वह विज्ञान है, जिसके अध्ययन का एक पक्ष मानव तथा उसके कार्यकलाप तथा दूसरा पक्ष उसके प्राकृतिक वातावरण की शक्तियाँ एवं उनका प्रभाव है।

- ✓ इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि मानव भूगोल में किसी प्रदेश के मानव समुदाय एवं उनके प्राकृतिक वातावरण की शक्तियों, प्रभावों तथा दोनों पक्षों की पारस्परिक प्रतिक्रियाओं का अध्ययन किया जाता है।

- ✓ किसी प्रदेश में निवास करने वाले मानव समुदायों तथा वहाँ के प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक वातावरण में परस्पर कार्यात्मक सम्बन्ध होता है। अतः विभिन्न प्रदेशों के मानव समुदायों तथा उनके जीवन-ढंग का अध्ययन मानव भूगोल है।

- ✓ वास्तव में विश्व की समसत क्रियाओं का केन्द्र मानव है, जो सभी प्रकार के प्राकृतिक तत्वों (भूमि, जल, मिट्टी, खनिज, वनस्पति एवं जीव) तथा सांस्कृतिक तत्वों (जनसंख्या, मकान, बसती, कृषि, विनिर्माण उद्योग तथा परिवहन का उपयोग करता है और यही मानव के अध्ययन का केन्द्र-बिन्दु है।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव भूगोल की प्रकृति का वर्णन

मानव भूगोल -भूगोल शास्त्र की एक प्रमुख शाखा है, जिसमें मानव पक्ष को केंद्र मानकर आर्थिक एवं प्राकृतिक वातावरण का अध्ययन किया जाता है।

- ❖ मानव का प्राकृतिक वातावरण से घनिष्ठ संबंध होता है मानव एवं प्राकृतिक वातावरण की परस्पर क्रिया एवं प्रतिक्रियाओं के परिणाम स्वरूप संस्कृत पर्यावरण का निर्माण एवं विकास होता है अतः संस्कृतियों की व्याख्या करने पर मानव एवं प्राकृतिक वातावरण का परस्पर संबंध होता है।

- ❖ जो कि मानवीय क्रियाएं और प्राकृतिक वातावरण की दशा परिवर्तनशील है अतः इनका पारस्परिक संबंध भी परिवर्तनशील होता है अतः **मानव भूगोल** क्रियाशील मानव एवं प्रकृति के परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव भूगोल पृथ्वी की सतहों और मानव समुदायों के बीच सम्बंधों का संश्लेषित अध्ययन है। यह तीन संघटकों से निकटतम रूप में जुड़ा है:

- ✓ मानवीय जनसंख्या का स्थानिक विश्लेषण
- ✓ मानवीय जनसंख्या और पर्यावरण के बीच के संबंधों का पारिस्थितिक भूगोल
- ✓ विश्लेषण और प्रादेशिक सश्लेषण, जो कि धरातल के क्षेत्रीय विभेदीकरण में पहली दोनों विषयवस्तुओं को जोड़ता है।

मानव भूगोल का विषय क्षेत्र -

मानव भूगोल का विषय क्षेत्र अत्यंत व्यापक है भूगोल की इस शाखा में विभिन्न प्रदेशों में निवास करने वाले जनसंख्या के समूह एवं उनकी प्राकृतिक परिस्थितियों के पारस्परिक संबंधों की तार्किक विवेचना की जाती है अतः इसके अध्ययन के अंतर्गत निम्न पक्षों को सम्मिलित किया जाता है

- किसी प्रदेश की जनसंख्या तथा उसकी क्षमता और मानव भूमि अनुपात।
- प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों का मूल्यांकन।
- प्रदेश में निवास करने वाले मानव समुदाय द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के शोषण एवं उपयोग से निर्मित संस्कृतिक भु दृश्य।
- प्रदेश के प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक वातावरण के कार्यात्मक संबंधों से उत्पन्न मानव वातावरण समायोजन का प्रारूप।
- वातावरण समायोजन का समय अनुसार विकास तथा उसकी दिशा का इतिहास।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव भूगोल के उद्देश्य (Aims of Human Geography)

- मानव भूगोल का प्रमुख लक्ष्य भौतिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों तथा मनुष्य के क्रियाकलापों के मध्य समन्वय स्थापित करना होता है। इसके लिए दोनों पक्षों की अन्योन्याश्रित का ज्ञान और मानव द्वारा कैसे अनुकूलन एवं परिवर्तन लाये गये हैं? इसी सम्बन्ध का अध्ययन मानव आवश्यक होता है। यह भी जानकारी आवश्यक होती है कि दोनों पक्षों में क्या एवं कैसा सम्बन्ध है भूगोल का मुख्य विषय है।
- मानव भूगोल का लक्ष्य या उद्देश्य यह भी है कि वह मानव तथा वातावरण को एक सर्म्पूण इकाई मानकर इस पृथ्वी तल पर एकता का सिद्धान्त प्रस्तुत करता है। मानव भूगोल में जाति-भेद, समाज-भेद एवं अन्य भेदों के लिए विशेष स्थान नहीं है, क्योंकि ये सभी भेद वातावरण के कारण उत्पन्न होते हैं। विश्व एक है, पृथ्वी एक है और इस पर निवास करने वाले मानव एक विश्व के, एक पृथ्वी के और एक वायुमंडल में साँस लेने वाले हैं, अतः सभी एक हैं।
- यह विज्ञान समूह का अध्ययन करता है और व्याख्या करता है कि पृथ्वी के किस भाग का मानव-वर्ग अपने सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक उन्नति के लिए वातावरण का उपयोग तथा उसमें परिवर्तन किस हद तक करता है। यह सत्य है कि चेतन एवं जड़ दोनों पदार्थों के कार्यकलाप एवं प्रगति में एक विशिष्ट क्रम मिलता है। इसके फलस्वरूप कार्यकलाप, प्रगति तथा प्राकृतिक विकास चक्र (Natural Evolution cycle) के सिद्धानत मानव भूगोल के अध्ययन के विशेष अंग होते हैं।

JGHSHEO@GMAIL.COM

जीन ब्रन्शू के अनुसार मानव भूगोल का उद्देश्य निम्नवत् है-

"मानव भूगोल का उद्देश मानव कार्यकलापों और भैतिक भूगोल के तत्वों के आपसी अन्तर्सम्बन्धों का अध्ययन करना है।"

मानव भूगोल का दूसरा लक्ष्य पार्थिव एकता का अध्ययन है। इसका तार्त्पय यह होता है कि सर्म्पूण पृथ्वी एक है और इसके जड़ एवं चेतन एक-दूसरे से घनिष्ठता से जुड़े हुए हैं तथा इनके मध्य अटूट सम्बन्ध होता है। इस पार्थिव एकता के फलस्वरूप ही मनुष्य की आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति होती है। इसको स्पष्ट शब्दों में कहा जाता है कि प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक वातावरण मनुष्य के क्रियाकलापों तथा जीवन-क्रमों को एक विशेष साँचे में ढालते हैं और मनुष्य इसमें परिवर्तन लाता है तथा उसके साथ समायोजन स्थापित करता है। यह समायोजन विभिन्न प्रदेशों में भिन्न-भिन्न प्रकार से किया जाता है। इस प्रकार मानव भूगोल का लक्ष्य मानव वर्ग एवं वातावरण के कार्यात्मक सम्बन्धों का प्रादेशिका स्तर पर अध्ययन करना होता है।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव भूगोल का विषय-क्षेत्र (Scope of Human Geography)

मानव भूगोल का विषय-क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है। भूगोल की इस शाखा में विभिन्न प्रदेशों में निवास करने वाले जनसंख्या के समूहों एवं उनकी प्राकृतिक परिस्थितियों के पारस्परिक सम्बन्धों की तार्किक विवेचना की जाती है। अतः इसके अध्ययन के अन्तर्गत किसी प्रदेश के निम्नलिखित पक्षों को सम्मिलित किया जाता है-

- ✓ जनसंख्या तथा उसकी क्षमता और मानव-भूमि अनुपात;
- ✓ प्राकृतिक संसाधनों का मूल्यांकन;
- ✓ मानव समुदाय द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के शोषण एवं उपयोग से निर्मित सांस्कृतिक भूदृश्य;
- ✓ प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक वातावरणों के कार्यात्मक सम्बन्धों से उत्पन्न मानव वातावरण-समायोजन का प्रारूप, तथा
- ✓ वातावरण समायोजन का समयानुसार विकास तथा इसकी दिशा का इतिहास।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव भूगोल के अध्ययन का महत्त्व (Significance of the Study of Human Geography)

- मानव भूगोल, भूगोल की नवीनतम तथा महत्त्वर्पूण शाखा है। यह मानव को प्राकृतिक एवं सामाजिक दोनों ही वातावरण की र्पूण जानकारी कराता है। मानव भूगोल में मनुष्य, वातावरण के प्रत्येक पहलू का सूक्ष्म अध्ययन करने के बाद वातावरण से समन्यव करना सीखता है।

- मानव भूगोल में मानव वातावरण के सम्बन्धों का अध्ययन क्षेत्रीय आधार पर किया जाता है। वस्तुतः मानव भूगोल में भौतिक वातावरण के संर्दभ में ही अध्ययन किया जाता है किन्तु विभिन्न जिसके प्राकृतिक एवं सामाजिक विज्ञानों के अध्ययन के लिए मानव भूगोल का अध्ययन अनिर्वाय बिना इन विषयों के मूल तथ्यों को समझना सम्भव नहीं है।

- मानव का जन्मजात गुण अध्ययन है, जिसके द्वारा विभिन्न विज्ञानों का प्रादुर्भाव हुआ है। सारा मानव विकास ही प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक तथ्यों पर अवलम्बित है। अतः मानव भूगोल का अध्ययन बहुत महत्त्वर्पूण एवं आवश्यक है।

JAGDISHGTO@GMAIL.COM

मानव भूगोल की कई उप-शाखायें है :

- **मानवविज्ञान भूगोल** : यह बड़े पैमाने पर स्थानिक सन्दर्भ में विविध प्रजातियों का अध्ययन करता है।
- **सांस्कृतिक भूगोल** : यह मानवीय संस्कृतियों की उत्पत्ति, संघटकों और प्रभावों की चर्चा करता है।
- **आर्थिक भूगोल** : यह स्थानीय, प्रादेशिक, राष्ट्र ीय और विश्व स्तर पर आर्थिक गतिविधियों की अवस्थिति व वितरण का अध्ययन करता है। आर्थिक भूगोल का अध्ययन निम्न बिन्दुओं के अन्तर्गत किया जा सकता है: संसाधन भूगोल, कृषि भूगोल, औद्योगिक व परिवहन भूगोल।
- **राजनीतिक भूगोल** : यह स्थानिक सन्दर्भ में राजनीतिक परिघटनाओं का अध्ययन करता है। इसका मुख्य उद्देश्य राजनीतिक व प्रशासनिक प्रदेशों के उद्भव व रूपान्तरण की व्याख्या करना है।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

मानव भूगोल की उप-शाखायें

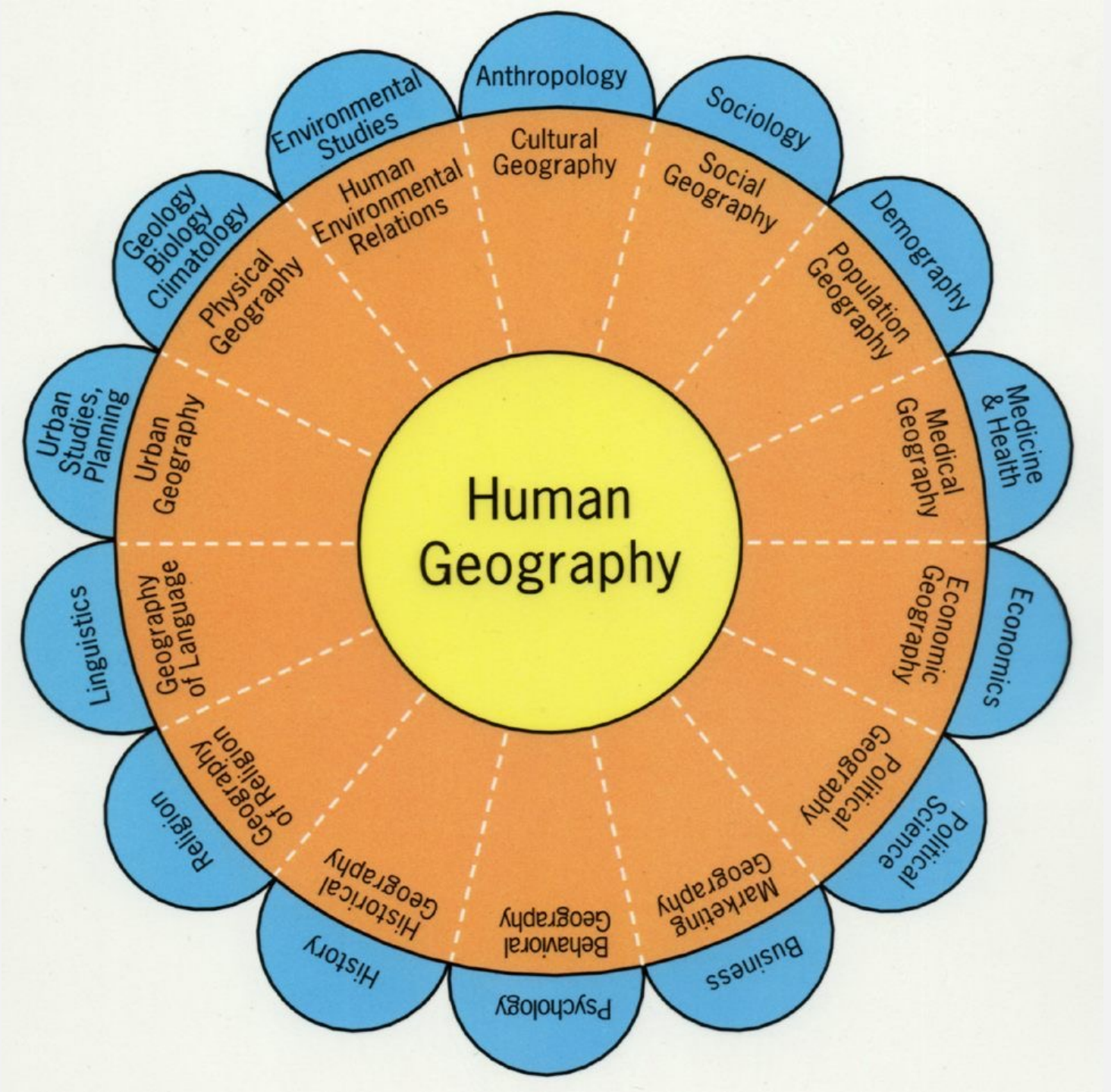

- **राजनीतिक भूगोल** : यह स्थानिक सन्दर्भ में राजनीतिक परिघटनाओं का अध्ययन करता है। इसका मुख्य उद्देश्य राजनीतिक व प्रशासनिक प्रदेशों के उद्भव व रूपान्तरण की व्याख्या करना है।
- **ऐतिहासिक भूगोल** : भौगोलिक परिघटनाओं का स्थानिक व कालिक अध्ययन ऐतिहासिक भूगोल के अन्तर्गत किया जाता है।
- **सामाजिक भूगोल** : यह स्थान की सामाजिक परिघटनाओं का विश्लेषण करता है। निर्धनता, स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवनयापन सामाजिक भूगोल के कुछ मुख्य क्षेत्र हैं।
- **जनसंख्या भूगोल** : यह जनसंख्या के विविध पक्षों जैसे जनसंख्या वितरण, घनत्व, संघटन, प्रजनन क्षमता, मर्त्यता, प्रवास आदि का अध्ययन करता है।
- **अधिवास भूगोल** : यह ग्रामीण/नगरीय अधिवासों के आकार, वितरण, प्रकार्य, पदानुक्रम और अधिवास व्यवस्था से सम्बंधित अन्य आधारों का अध्ययन करता है।

JAIDISHGEO@GMAIL.COM

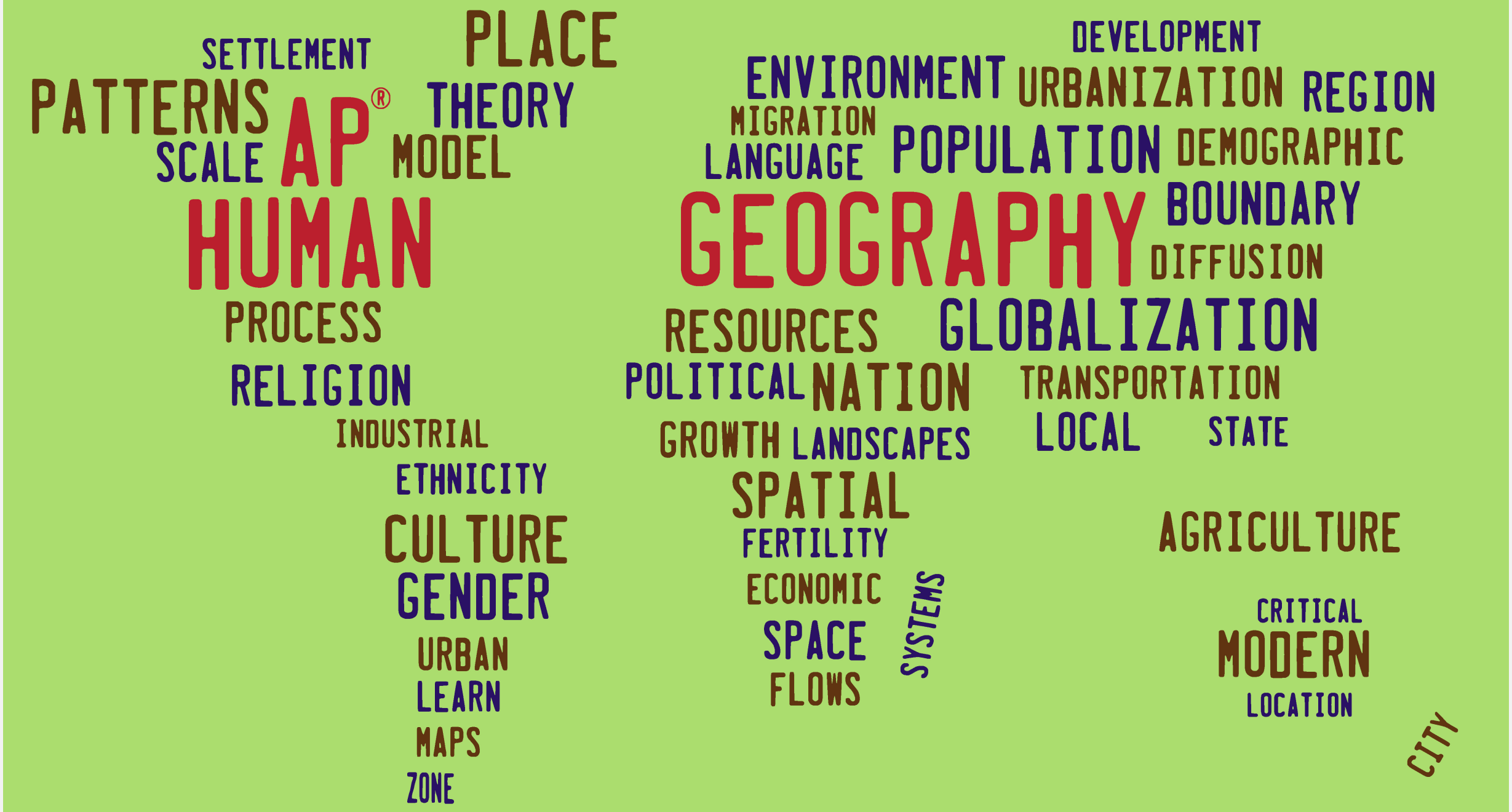
SETTLEMENT
PLACE
PATTERNS
AP®
THEORY
SCALE
MODEL
HUMAN
PROCESS
RELIGION
INDUSTRIAL
ETHNICITY
CULTURE
GENDER
URBAN
LEARN
MAPS
ZONE
DEVELOPMENT
ENVIRONMENT
URBANIZATION
REGION
MIGRATION
LANGUAGE
POPULATION
DEMOGRAPHIC
GEOGRAPHY
BOUNDARY
DIFFUSION
RESOURCES
GLOBALIZATION
POLITICAL
NATION
TRANSPORTATION
GROWTH
LANDSCAPES
LOCAL
STATE
SPATIAL
FERTILITY
AGRICULTURE
ECONOMIC
SYSTEMS
SPACE
CRITICAL
FLOWS
MODERN
LOCATION
CITY

मानव भूगोल के विषय

आर्थिक भूगोल	Economic Geography
राजनीतिक भूगोल	Political Geography
जनसंख्या भूगोल	Population Geography
सांस्कृतिक भूगोल	Cultural Geography
कृषि भूगोल	Agricultural Geography
परिवहन भूगोल	Transportation Geography
प्रादेशिक भूगोल	Territorial Geography
नगरीय भूगोल	Urban Geography
ग्रामीण भूगोल	Rural Geography
अधिवास भूगोल	Domicile Geography
प्रजातिय भूगोल	Ethnic Geography

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

भाषा भूगोल	Language Geography
निर्वाचन भूगोल	Election Geography
गणितीय भूगोल	Mathematical Geography
जनसंख्या भूगोल	Population Geography
वाणिज्यिक भूगोल	Commercial Geography
व्यावहारिक भूगोल	Applied Geography
अनुप्रयुक्त भूगोल	Applied Geography
औद्योगिक भूगोल	Industrial Geography
सैन्य भूगोल	Military Geography
परिवहन भूगोल	Transportation Geography
पर्यटन भूगोल	Tourism Geography
चिकित्सा भूगोल	Medical Geography

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

सारांश (Summary)

- ***ज्योग्राफी* (Geography)** का शाब्दिक अर्थ है, पृथ्वी का वर्णन करना तथा उसके बदलते रूप का वर्णन।
- भूगोल की दो शाखाएँ हैं: भौतिक भूगोल तथा मानव भूगोल।
- मानव भूगोल मनुष्य तथा उसके पर्यावरण के पारस्परिक रिश्तों का बोध कराता है।
- भूगोल की इस शाखा (मानव भूगोल) का अध्ययन 19वीं शताब्दी के अंत में चार्ल्स डार्विन की पुस्तक 'origin of species' के प्रकाशन के समय हुआ। लोगों की इस विषय में जिज्ञासा भी बढ़ी।
- ***रैटजेल*** जिन्हें आधुनिक मानव भूगोल का जनक भी कहा जाता है। इन्होंने अपनी पुस्तक **'Anthropogeographie'** में लिखा है कि मानव को जीवित रहने के लिए वातावरण से सहयोग प्राप्त करना अनिर्वाय है।
- ऐलेन सी सैम्पल, रैटजेल की एक अमेरिकी शिष्या के अनुसार मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी तथा क्रियाशील मानव के बदलते रिश्तों का बोध कराता है।
- मानव भूगोल के फ्रांसीसी वैज्ञानिक ***(Vidal-de-La-Balache)*** ने अपनी परिभाषा में मनुष्य तथा पर्यावरण के संबंध के बारे में बाताया।
- प्राचीन समय से लेकर आज तथा मानव अध्ययन के क्षेत्र एवं उपागमों में परिवर्तन होता रहा है।
- मानव भूगोल के अन्तर्गत कई क्षेत्र एवं उपक्षेत्र शामिल है जैसे सामाजिक भूगोल, राजनीतिक भूगोल, आर्थिक भूगोल आदि।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

प्रश्न (Questions)

1. मानव भूगोल की परिभाषा दीजिए तथा उसके अर्थ को समझाइये।
2. मानव भूगोल के उद्देश्य की व्याख्या करो तथा अध्ययन के प्रमुख लक्ष्य निर्धारित कीजिए।
3. 'मानव भूगोल में मानव का केन्द्रीय स्थान है। इस तथ्य को समझाइये।
4. मानव भूगोल का अध्ययन 'प्राकृतिक प्रदेशों' के आधार पर नहीं, वरन् 'मानव भौगोलिक प्रदेशों के आधार पर होता है। इस तथ्य को समझाते हुए, दोनों प्रकार के प्रदेशों का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

JAGDISHGEO@GMAIL.COM

Thank YOU